2021-22 रबी विपणन मौसम के दौरान सरसों के दाम एम एस पी से ऊपर

कृषि लागत और मूल्य आयोग (सी ए सी पी) ने कहा है कि भारत में सरसों के बाज़ार भाव मौजूदा मौसम (रबी विपणन मौसम 2021-22) में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) से काफी ऊपर रहे हैं। पिछले विपणन मौसम (2020-21) के दौरान एम एस पी की तुलना में कीमतें लगभग 25 प्रतिशत अधिक हैं।

रबी विपणन मौसम 2021-22 में एम एस पी की तुलना में अधिक बाज़ार भाव के कारण मध्य प्रदेश में केवल 0.68 मीट्रिक टन (68 क्विंटल) को छोड़कर प्रमुख सरसों उत्पादक राज्यों में सरकारी ख़रीद शून्य दर्ज की गई है।

रबी विपणन मौसम 2017-18 से तोरिया-सरसों का औसत बाज़ार भाव एम एस पी से नीचे रहे हैं। पिछले तीन रबी विपणन मौसमों के दौरान बाज़ार की कीमतों में मामूली सुधार हुआ था, लेकिन बाद में एम एस पी में वृद्धि ने इन अवधियों के दौरान औसत बाज़ार भाव और एम एस पी के बीच के अंतर को बढ़ा दिया था।

रबी विपणन मौसम 2020-21 के दौरान बाज़ार भाव और एम एस पी के बीच का अंतर घटकर -9.2 प्रतिशत हो गया, क्योंकि इस अवधि में बाज़ार की कीमतों में काफी वृद्धि हुई थी। मौजूदा विपणन मौसम के दौरान एम एस पी (4,650 रुपये प्रति क्विंटल) की तुलना में औसत बाज़ार भाव 6,454 रुपये प्रति क्विंटल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो इससे लगभग 28 प्रतिशत अधिक है। इन फसलों के बाजार भाव में वृद्धि मुख्य रूप से तोरिया-सरसों के तेल की बढ़ती घरेलू मांग के कारण हुई।

रबी विपणन मौसम 2021-22 के दौरान प्रमुख तोरिया-सरसों उत्पादक राज्यों में बाज़ार भाव एम एस पी से ऊपर रहा है। बाज़ार भाव और एम एस पी के बीच का अंतर अप्रैल 2021 से बढ़ता हुआ पाया गया है।

इस अवधि के दौरान मध्य प्रदेश और राजस्थान में बाज़ार भाव उत्तर प्रदेश से अधिक होने की सूचना है। रबी विपणन मौसम 2021-22 के लिए बाज़ार भाव और एम एस पी के बीच औसत अंतर राजस्थान और मध्य प्रदेश में 28% से अधिक था।

रबी विपणन मौसम 2021-22 (मार्च-जून 2021) में प्रमुख उत्पादक राज्यों में तोरिया और सरसों के एम एस पी की तुलना में बाज़ार भाव

राज्य	दर्ज किए गए बाज़ार भाव के दिनों की संख्या	एम एस पी से अधिक या बराबर बाज़ार भाव के दिनों की संख्या	बाज़ार भाव और एम एस पी के बीच औसत अंतर (प्रतिशत में)
हरियाणा	28	28	12.9
राजस्थान	117	117	28.7
मध्य प्रदेश	120	120	30.1
उत्तर प्रदेश	120	120	23.6

स्रोतः 1) एगमार्कनेट, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय; 2) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय